RAJYA SABHA

Friday, 28th February 1997/9th Phalguna 1918 (Saka) The House met at eleven of the Clock The Deputy Chairman in the Chair.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

*101. [The Question (Shri Ramdas Agarwal) was absent for answer vide col..infra.]

Cost of Urea Production

*102. DR. SHRIKANT RAM-CHANDRA JICHKAR:
SHRI JAGIR SINGH DARD:

Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) the cost of production per unit of urea;

(b) the total taxes on urea;

(c) the average market price of urea;

(d) the clement of profit;

(e) the proft being earned; and

(t) the steps taken to see that the prices ot urea are kept low? The Question was actually asked in the floor of the House by Dr. Shrikant Ramchandra Jichker.

रसायन और उर्वरक मंत्रालय के राज्यमंत्री (श्री शीश राम ओला) : (क) से (च) एक विवरण सभापटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) यूरिया की उत्पादन लागत अलग-अलग एककों के लिए भिन्न तथा हर माह भी भिन्न-भिन्न होती है जो अन्य बातों के साथ-साथ संयंत्र की स्थिति, पुरानेपन प्रयोग किये गये फीड्स्टाक, क्षमता उपयोग के स्तरों विशिष्ट खपतों तथा इनपुटों की लागत पर निर्भर करती है। यूरिया एककों के लिए भारित औसत प्रतिधारण मूल्य इस समय 5434/-रु. है।

(ख) यूरिया पर स्थानीय करों और लेबियों का भार अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग है तथा यह बिक्री मूल्य के शून्य से 7% से अधिक तक है।

(ग) 21.2.97 से पूरे देश में यूरिया का नियंत्रित निर्गम मूल्य 3660/- रु. प्रति मी. टन है।

(घ) यूरिया पर लागू प्रतिधारण मूल्य एवं राजसहायता योजना (आरपीएस) के अंतर्गत प्रतिधारण मूल्य में क्षमता उपयोग के नियामक स्तर पर शुद्ध मूल्य पर 12% कर प लाभ शामिल होता है। लाभ की गणना विद्यमान निगमित कर की दर को शामिल करके की जाती है।

(ड) कई क्रमिक मूल्य निर्धारण अवधियों से आरपीएस के अंतर्गत विभिन्न मानकों को सख्त बनाये गये है ताकि अधिक दक्षता स्तरों को प्राप्त करने के लिए एककों को प्रोत्साहित किया जा सके। प्रमुख परिवर्तन क्षमता उपयोग, संयंत्र के जीवनकाल, केटेलिस्ट के जीवनकाल आदि से सम्बद्ध है। जब तक अलग-अलग एकक शुद्ध मूल्य पर कर पश्रात 12% वांछित लाभ प्राप्त नही कर सकते है। प्रतिधाण मूल्य योजना (आरपीएस) में प्रोत्साहन और हतोत्साहन दोनों है, जिसके अंतर्गत यदि एकक का कार्य-निष्पादन प्रतिधारण मूल्य की गणना में अनुमानित विशिष्ट खपत और क्षमता उपयोग के मानदण्डों की तुलना में बेहतर है तो एकक की लाभप्रदत्ता में वृद्धि होती है। इसके विपरीत, यदि उत्पादन का स्तर कम है अथाव इनपूट खपत नियामक स्तरों से अधिक है तो या तो एकक की लाभप्रदत्ता में कमी आयेगी अथवा नुकसान होगा।

(च) स्वदेशी और आयातित यूरिया दोनों की लागतें 3660 रु. प्रति टन के नियंत्रित निगर्म मूल्य से काफी अधिक है। इस अन्तर को सरकार राजसहायता के रुप में वहन करती है।

SHRI V. NARAYANASAMY: Madam, Question no. 102 and 104 may be clubbed together.

DR. SHRIKANT RAMCHANDRA JICHKAR: No, No; there are two separate Ministers.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Question No. 102 and 104 are ... *(Interruptions)*..,

DR. SHRIKANT RAMCHANDRA JICHKAR: No, Madam. Two separate Ministers are there.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Yes. One is Agriculture and there other is Chemicals.

DR SHRIKANT RAMCHANDRA JICHKAR: If I am allowed four supplementaries, then I am agreeable for clubbing Question Nos. 102 and 104.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I think both questions are yours.

DR. SHRIKANT RAMCHANDRA JICHKAR: Madam, the hon. Minister has not replied to my question. My question is specific and very short: What is the cost of production of urea per unit? The hon. Minister has said, the cost of production of urea differs from unit to unit and even from month to month. It is true that the cost of production of more than 90% of the commodities in this country differs from unit to unit and from month to month. Everybody knows that the cost of production differs from month to month, from season to season and from unit to unit. But, we want to know the average cost of production in agriculture ... *(Interruptions)*...

SHRI S.S. AHLUWALIA: From place to place.

DR. SHRIKANT RAMCHANDRA JICHKAR: Yes, from place to place. In agriculture, every agricultural field differs. There arc different climatic zones. Still, the Agricutlural Costs and Prices Commission declares the cost of production of almost all major agricultural commodities and publishes it. Now, why is the hon. Minister hiding the cost of production? If he replies to my question, then I will ask my first supplementary. First, he must reply to my question and give us the cost of production of five public sector units, five private sector units and five co-operative sector units. After clarification of this, I will ask my first supplementary.

SHRI AJIT P.K. JOGI: I think this is not a supplementary. This is only a clarification on the question.

DR SHRIKANT RAMCHANDRA JICHKAR No. This is not a supplementary.

श्री शीश राम ओला : माननीय उपसभापति जी, बहुत स्पष्ट यह 6 क्वैशन पूछे गए है प्रति इकाई यूरिया की उत्पादन लागत कितनी है यूरिया पर कुल कितना है, इसमें लाभ का अंश कितना है, इससे कितना लाभ अर्जित किया जा रहा है, और यूरिया के मूल्यों को कम रखने के लिए क्या कदम उठाए गए है? यह "क" से " च" तक जो क्वैशन माननीय सदस्यों ने पूछे है, उनका बहुत स्पष्ट उत्तर दे दिया गया है। प्रति इकाई यूरिया का औसत रिटेशन प्राइस 5434/- रुपए है। टैक्स कितना लगता है, यह स्टेट पर निर्भर करता है, यह कोई सेन्ट्रल एक्साइज नही लगाती है। यूरिया का औसत बाजार मूल्य 3660/- रुपए प्रति मी. टन है। इसमें लाभांश कितना है अगर फैक्टरी ठीक चलती है, ठीक उत्पादन करती है तो 12 प्रतिशत शुद्ध लाभ माना गया है कि होना चाहिए। किसने कितना लाभ अर्जित किया, यह उसके खर्च पर या कितने पैसे फैक्टरी पर लगाए, उसकी क्षमता और स्टैडर्ड पर निर्भर करता है कि वह किस तरह से फैक्टरी को चलाता है। यूरिया की कीमत नीचे कैसे रखी जाए, इस पर स्पष्ट बता दिया गया है। सरकार यूरिया की प्राइस पर कंट्रोल रखे हुए है।

डा. श्रीकांत रामचन्द्र जिचकर : नही, नही मंत्री महोदय जी, आपको कुछ गलतफहमी हुई है। आप यह जो 5434 रुपए बोल रहे है, यह लागत मूल्य नही है, यह ऐवरेज रिटेशन प्राइम है, यह कीमत है यूरिया बनाने के लिए कितनी लागत लगती है, उसकी कास्ट आफ प्रोडक्शन क्या है? आपने अभी बताया कि 5434 रुपए। यह ऐवरेज रिटेशन प्राइस आपने लिखा है, आपने कास्ट आफ प्रोडक्शन दिया नही। मेरा प्रश्न कॉस्ट आफ प्रोडक्शन का है लागत मूल्य का है, आपने तो ऐवरेज रिटेंशन प्राइस को बोल दिया अभी कि यह कॉस्ट आफ प्रोड्क्शन है। आप ही ने लिखा है कि यह ऐवरेज रिटेंशन प्राइस है। प्लीज गिव मी दि कास्ट आफ प्रोड्क्शन।

श्री शीश राम ओला : माननीय सदस्य, आपने किलो के हिसाब से न तो पूछा है और न ही मेरे लिए बताना संभव है। किलो का हिसाब यूरिया पर नही बताया जा सकता।

डा. श्रीकांत रामचन्द्र जिचकर : किलो का नही तो 10 किलो का बताइए 100 किलो का बताइए?

श्री शीश राम ओला : मुझे उत्तर देने दीजिए। ...(**व्यवधान**)...

उपसभापति: मंत्री जी को बोलने दीजिए। ...(**व्यवधान**)... वह बैठ गए है, आप बोलिए।

श्री शीश राम ओला : मेरा निवेदन यह है कि कोई भी कीमत स्थाई नही रहती है। हर तीन महीने में, हर दो महीने मे, कभी-कभी महीने में कीमते बदलती रहती है। यह बताना संभव नही है कि कोई कीमत स्थाई रहती है, इसलिए मेरे पास यह आंकड़े नही है कि प्रति किलोग्राम क्या कॉस्ट आती है। यदि माननीय सद्स्य इसके लिए उत्सुक है तो मै उन्हे यह जानकारी दे सकता हूं लेकिन इस पर बहुत समय लगेगा। सारी फैक्टरियों की, 21 फैक्टरियां है, सबकी ऐवरेज निकालना, मेरे ख्याल से यह कोई बहुत महत्व की बात नही है।

श्री हेच. इनुमनतप्पा : यह मंत्री जी के महत्व की बात नही हो सकती लेकिन सदस्यों के महत्व की बात है। यह महत्व की बात है इसीलिए तो एडमिट किया है। ...(**व्यवधान**)...

श्री शीश राम ओला: कृपया आप बताइए, एक किलो पर क्या महत्व दें, यूरिया मिलता है, यूरिया हम देते है।

DR. SHRIKANT RAMCHANDRA JICHKAR: Madam, should I ask my first supplementary?

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now you are asking a supplementary?

DR. SHRIKANT RAMCHANDRA JICHKAR: My first supplementary because the answer has not come. The Minister has said that he can't give the answer now and, if I am interested, he will supply the answer to me later. I am interested. Madam.

SHRI S.S. AHLUWALIA: It can't be for personal information. The House should know.

AN HON. MEMBER: The House should know

DR. SHRIKANT RAMCHANDRA JICHKAR: Let me clarify, Madam. Th? hon. Minister has said that this is not possible. The hon. Minister does not know, probably, that there is the Bureau of Industrial Costs and Prices (BICP). The BICP is sitting there doing this job, and this is not a difficult job. They are doing it, they arc publishing it. There is a Fertiliser Mantri and Fertiliser News Bulletin, these things are regularly published I am very sorry that the Minister's officers do no! seem to have briefed him properly. This is regularly done. And the hon. Minsiter has gone on record saying that this cannot be done and it is very difficult, and he has gone to the extent of saying that this is not important. For us this is very important. Anyway, I do not want to dilate on this matter; I want to ask my first supplementary now.

Madam, there is the average price retention mechanism, something like pooled prices. Now, these pooled prices or average retention prices are fixed on the basis of the cost of production of the private sector, public sector and cooperative sector units. What is happening now is that the public sector units are not functioning efficiently. Therefore, there cost of production is more. The private sector units are functioning efficiently, and so, their cost of production is less. But whenever the retention price is fixed, it is fixed on the basis of the cost of production of the public sector. So, huge amounts of profits arc going to the private sector.

एक माननीय सदस्य: प्रश्न पूछ लीजिए।

डा. श्रीकान्त रामचन्द्र जिचकर : **पूछ रहा हूं न भाई। आपके मंत्री महोदय ने ओरिजनल रिप्लाई भी नही दिया। इसलिए अब तो मेरे ऊपर और ज्यादा रिस्पासिब्लिटी है कि उनको यह सब समझाऊं कि क्या चीज है क्योकि उनके अफसरों ने तो शायद उनको समझाया नही। तो सर प्राइवेट सैक्टर में हायर रेट आफ प्रोफिट मिल रहा है।** Madam, I want to know whether the Minister will now publish all 4hese reports of,the cqst of production of the ptivatecpubikand cooperative sector

units so that we will know which private sector units are deriving huge benefits at the cost of this mechanism.

श्री शीश राम ओला: उपसभापति महोदय, ठीक है मुझे सिखाएंगे माननीय सदस्य, मै सीखने की चेष्टा करुंगा। उसमें मुझे कोई ऐतराज नही है।

डा. श्रीकांत रामचन्द्र जिचकर : मैंने "सिखाना" इस शब्द का प्रयोग ही किया है। मैंने कहा कि यह मेरी जिम्मेदारी है कि मै मंत्री जी को बताऊं ...(**व्यवधान**)... मै इनसे बहुत छोटा हूं मै सिखा नही सकता इन्हें।

उपसभापति : समय जा रहा है। आपको सवाल का जवाब चाहिए वह ले लीजिए।

श्री शीश राम ओला: उपसभापति महोदया, मै निवेदन करना चाहता हूं कि माननीय सदस्य ने मुझ से पूछ है प्रति इकाई न कि प्रति किलोग्राम इसलिए मै कह रहा हूं कि प्रति इकाई के हिसाब से मैंने उत्तर दिया है,। यदि प्रति किलोग्राम पूछेगे तो उसकी भी ऐक्सरसाईज करवाकर इन्हे उत्तर दिया जाएगा। इन्होंने प्रति इकाई पूछा है, प्रति किलोग्राम नही पूछा।

दूसरी बात यह है कि बी. आई. सी.पी. यूरिया की लागत तय नही करती एफ. आई.सी. सी. तय करती है। हमसे संबधित बात जो थी, वह मैंने आपको बताने की चेष्टा की है। यदि कोई बात अस्पष्ट है तो कृपया मुझे पूछे।

THE DEPUTY CHAIRMAN: This is his last supplementary.

डा. श्रीकांत रामचन्द्र जिचकर: मै लास्ट सप्लीमेंटरी पूछता हूं लेकिन मंत्री को और क्लोरिफाई कर देता हूं।

I asked the question in English. It says: "ihc cost of production per unit.of urea;" Per unit may be one kilo, ten kilos, 100 kilos or one tonne. Some units is there. I have asked my question specifically. I asked for the cost of production per unit of urea. Whether their unit is kilo or tonne or metric tonne or gramme, whatever it is, he should have given it. He has not given it.

Anyway, my second supplementary is this. It is compulsory for private companies under the Companies law to submit the cost audit report to the Govemment. So, private companies have to submit their cost audit report to the Govemment. He has just now said that the BICP monitors it. The BICP collects the cost of production from these reports. So, these cost audit reports are compulsorily required to be given by these companies. 1 want to know whether (he Minister will lay all these mandatory cost audit reports of these 21 companies on the Table of Parliament so that we will come to know that the cost of production is and where.

SHRI V. NARAYANASAMY: Even if the Minsiter is not able to give it now.

श्री शीश राम ओला: महोदया, मेरा निवेदन यह है कि यूरिया का औसत रिटेशन प्राइस 5434 रुपय प्रति मीट्रिक ट्न है।

THE DEPUTY CHAIRMAN: One minute, please.

डा. श्रीकांत रामचन्द्र जिचकर: प्राइस पर मै हूं ही नही। मै कॉस्ट ऑफ प्रोडक्शन पूछ रहा हूं

उपसभापति : मंत्री जी, वह प्राईस नही पूछ रहे है, कॉस्ट ऑफ प्रोडक्शन पूछ रहे है। मेरे ख्याल में उनका मतलब है कि कॉस्ट ऑफ प्रोडक्शन और सेल में कितना प्रोफिट है। वे उसके बारे में पूछ रहे है।

श्री शीश राम ओला : नोमेटिव नेट प्रोफिट 12 प्रतिशत है। अगर अच्छी कंपनी है, पूरा प्रोडक्शन कर रही है तो हम मानते है कि 12 परसेंट उसको लाभ होना चाहिए। लेकिन अमूलन ऐसी कंपनियां भी है या तो जिन में रिन्युअल रिप्लेसमेंट पर खर्च पूरा नही किया गया है या उसकी कार्यक्षमता में कही कमी है। ऐसी कंपनियों में पूरा प्रोडक्शन नही हो पाता। इसलिए उन्हें पूरा लाभ नही हो पाता है। वैसे 12 प्रतिशत से अधिक लाभ अधिक क्षमता उपयोग के बिना संभव नही है।

डा. श्रीकांत रामचन्द्र जिचकर: अपने आश्वासन नही दिया।

DR. SHR1KANT RAMCHANDRA J1CHKAR: Madam, if the details are not available with him, now kindly ask him to send them later. He has assured this.

डा. श्रीकांत रामचन्द्र जिचकर : कृपया आप मुझे ये सब डिटेल्स भेजें।

श्री जागीर सिंह "दर्द ": मैडम, मै आपकी मारफ्त यह निवेदन करना चाहता हूं कि पंजाब में सबसे ज्यादा

खपत होती है यूरिया की। इस समय यूरिया की कीमत 3,6660 रुपय प्रति मीट्रिक टन है। मै पूछना चाहत हूं कि बाजार में जो इसको कीमत बहुत ज्यादा है, उसको आप कैसे कंट्रोल करेंगे?

श्री शीश राम ओला : मै माननीय सदस्य से यह निवेदन करना चाहता हूं कि यूरिया एक कंट्रोल्ड आईटम है। इसे हम बाहर विदेशों से भी मांगते है और वह हमें 8,000 रुपए प्रति मीट्रिक टन से ज्यादा हो पड़ता है। सरकार सब्सिडी देकर इसको किसानों को सस्ते भाव कर देती है। इस तरह इस पर हमारा पूरा कंट्रोल है।

SHRI H. HANUMANTHAPPA: Madam, as my friend, Dr. Jichkar said, private companies are amassing huge amount of profits in the present mechanism. In fact, the Govemment is also going in for joint venture and private venture projects. Will the Govemment allow these units to sell their own urea and pass on the subsidy portion to the farmers? The farmers are not aware of the subsidy that they are giving. When the farmer is passed on the urea, he should be able to know what amount of subsidy the Government is bearing per quintal of urea or the fertiliser that he is purchasing. Instead of putting the subsidy in the production cost, will the Government offer to pay the subsidy to (he farmers at the retail level so that whichever company, which is not working profitably also improves its productive capacity and the efficiency of the farmer also in turn will know the subsidy portion that the Government is paying to them.

श्री एस. एस. अहलुवालिया : आप तो हिन्दी जानते है, हिन्दी में बोलिए।

श्री हेच. हनुमतप्पा : हिन्दी आपकी मातृभाषा है, हमारी नही।

श्री एस.एस. अहलुवालिया : क्या कह रहे है, राष्ट्रभाषा है यह।

THE DEPUTY CHAIRMAN: That is his problem.

SHRI H. HANUMANTHAPPA: I am not insulting the national language, but you cannot force me to talk in a particular language.

SHRI SS. AHLUWALIA: Are you ~ going to accept it that English is your mother tongue?

SHRI H. HANUMANTHAPPA: No.

SHRI S.S. AHLUWALIA: If you say Kannada is your mother-tongue, I will appreciate it.

THE DEPUTY CHAIRMAN: He is allowed to speak in English and in Hindi.

श्री एस. एस. अहुलवालिया : महोदय, ऐसा कमेट नही करना चाहिए।

उपसभापति : नही उनकी मरजी है वह बोले अंग्रेजी में। आपको क्या ऐतराज है।

श्री एस. एस. अहुलवालिया : हम पूरी भारत माता के सब बच्चे है और वह अंग्रेजी में बोल रहे है। बैठिए।

श्री शीश राम ओला : महोदय, किसान को यूरिया का मूल्य कम होने से स्वतः ही सब्सिड मिल जाती है। पर, मै माननीय सद्स्य की जानकारी के लिए आपसे निवेदन करुंगा कि 1904 रुपए प्रति टन सब्सिडी स्वदेशी यूरिया पर दी जाती है।

SHRI H. HANUMANTHAPPA: I do not want to take a lesson from him. I am sorry, he should know his limits. It is going into the records.

SHRI S.S. AHLUWALIA: I know, but you should also restrain yourself.

श्री हेच. हनुमनतप्पा : मेरे सवाल का जवाब तो नही है।

उपसभापति : मंत्री जी, उन्होंने सवाल यह किया कि आप सब्सिडी देते है प्रोडक्शन यूनिट को क्या कोई यूनिट जो है प्रोफिटेबिल नही है। इनका सवाल है कि अगर फार्मर्स को मालूम हो जाए कि इस कितनी सब्सिडी मिल रही है तो फार्मर्स को उसका बेनिफिट मिलेगा, प्रोडक्शन यूनिट को बेनिफिट मिलेगा। मुझे लगता है कि उनका यह सवाल

श्री शीश राम ओला : उपसभापति महोदया, निवेदन किया है कि 1904 रुपए देते है, सब किसानों को मालूम है। मै भी इनसे बड़ा किसान हो सकता छोटा नही हूं।

DR MOHAN BABU: Urea accounts for 85 per cent of the total fertiliser production. In 1995-96, urea production was 158 lakh tonnes. For 1996-97, 162.73 million tonnes is the target. If enough gas does not reach the Vijipur unit, the expected increase in the total production of urea will not take place. So what are the steps taken by the Government to achieve the target?

श्री शीश राम ओला : उपसभापति महोदया, इसके कई कारण है। प्रोडक्शन कभी खपत कम होने से कम हो जाता है, कभी बिजली की कमी है, कभी गैस की कमी है। कई कारण है उत्पादन कम होने के। पर सरकार चेष्टा कर रही है कि हमारे राष्ट्र में इतना उत्पादन हो कि हम यूरिया में आत्मनिर्भर बन जाएं।

श्री सुन्दर सिंह भड़ारी : महोदया, मै जानना चाहता हूं मिनिस्टर साहब ने कहा है कि अब उन्होंने 3660 रुपए प्रति मैट्रिक ट्न यह इश्यू प्राईस तय की है और यह इश्यू इंपोर्टेड यूरिया को मिलाकर के है और आप यह कहते है कि अगर इंपोर्ट करने की जरुरत नही पड़ेगी तो इस कीमत को कम कर सकते है। हालत तो यह है कि जितना आप इंपोर्ट करना चाहते है उससे ज्यादा इंपोर्ट हो जाता है। बच जाता है इंपोर्टेड यूरिया। पच्चीस लाख टन उर्वरक का भंडार आपके पास रह गया है। उसकी कीमत उसके ब्याज का खर्चा जुड़ कर आपका ईश्यू प्राइस बनता है। इन दोनों में मेल कैसे बैठेगा? घटाने का इरादा या घटाने का प्रोग्राम आपका किस प्रकार का है ताकि यूरिया के ईश्यू प्राइस को कम किया जा सके?

श्री शीश राम ओला : ऐसी कोई स्थिति नही है कि यूरिया के भंडार देश में कही पर्याप्त मात्रा में या जरुरत से ज्यादा पड़े है। स्थिति यह है ...(**व्यवधान**)...

श्री सुन्दर सिंह भंडारी : जरुरत से ज्यादा का मतलब क्या है? आपको जितना स्टाक चाहिए क्या उससे ज्यादा स्टाक नही है?

श्री शीश राम ओला : नही, ऐसी बात नही है। हमें स्टेटवाइज ऐलोकेशन करना पड़ता है, ऐला टमेट करना पड़ता है। स्टेट जो हमसे चाहती है वह हम कृषि मंत्री को देते है, वे हर स्टेट मांगती है। स्टेट के पास कोई भंडार है तो यह स्टेट की ज्यादा जिम्मेदारी है। स्टेट हमसे कहती है कि इतना आपको देना है हमें और हम चेष्टा करते है कि उतना स्टेट को मिले एक बात। दूसरी बात यूरिया एक निश्चित समय पर काम आता है और वह समय बुआई और सिंचाई के वक्त काम आने का है। तब यदि यूरिया नही है तो सारे राष्ट्र में उसकी बहुत मांग़ बढती है, इसलिए उस वक्त यूरिया देना अत्यंत आवश्यक है और एक दिन में यूरिया प्राप्त नही किया जा सकता। वह एक छोटा सा समय होता है बुआई और सिचाई का तब पर्याप्त मात्रा में यूरिया का होना अत्यरुंत आवश्यक है। इसलिए यह कहना उचित नही होगा या सही नही होगा कि हमारे पास अर्थात भंडार यूरिया का पड़ा है फिर भी हम विदेश से मांग रहे है। हमें आवश्कता है तभी तो हम मांगते है।

श्री सुन्दर सिंह भंडारी : लेकिन समय पर जहाज नही जाते मांग़ समाप्त होने के बाद जहाज आते है इसलिए स्टाक पड़ा रहता है। इसका कुछ इंतजाम करने का इरादा है?

श्री शीश राम ओला : अपनी बात का तो स्वयं ही उत्तर दे रहे है माननीय सद्स्य। मै क्या करुं यदि जहाज से नही आए और कोई स्टेट हमसे यूरिया मांगे तो हम कहां से देंगे? इसलिए हमें स्टाक रखना अत्यंत आवश्यक है और स्टाक होगा तभी तो दे पाएंगे।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let the Minister reply. 1 can't ask every Member to raise a supplementary question. There is another question on the same subject. I think Q.No. 104. We cannot spend so much time on this question alone.

श्री एस. एस. सुरजेवाला : उपसभापति महोदया, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि यहां कृषि मंत्री ने इसी हफ्ते फर्टिलाइजर्स की प्राइस के बारे में एक स्टेटमेंट दिया था। उस स्टेटमेंट में उन्होंने यह बात कही थी कि यूरिया की कीमत जो 10 परसेट इनक्रीज की है 21 फरवरी से एक ह्फ्ता पहले उसके कारण ये है कि फासझेटिक और पोटासिक जो फर्टिलाइजर्स है जिनको एन. पी. के. कहते है, चूंकि उनकी कीमतों को कम कराने के लिए गवर्नमट ज्यादा सबसिडी दे रही है, इसलिए वह जो नुकसान है, उसको पूरा करने के लिए 10 परसेंट यूरिया की कीमतें बढाई गई है, यह मंत्री जी ने इस हाउस में बयान दिया था। मै उवर्रक मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि इस सारी एक्सरसाइज का क्या फायदा है कि एक तरफ आप किसान को जो जरुरी फर्टिलाइजर्स है, उन पर कंसेशन देना चाहते है और दूसरी तरफ जो किसान सबसे ज्यादा यूरिया इस्तेमाल करते है , उसमें आप 10 परसेट इनक्रीज करके उन्ही किसानो की जेब से ज्यादा पैसा बाहर निकालना चाहते है? क्योकि जो रोशियों दोनों में है उसमें

जमीन आसमान का फर्क है इसलिए सरकार की वह नीति उचित नही है। तो क्या आप यह जो 10 परसेट यूरिया की कीमतों में वृद्धि की है, इसे वापस लेंगे?

दूसरी बात, एक ओर बड़ी एनॉमली यह है कि इन्होंने 21 फरवरी से यूरिया की कीमते बढाने का एलान किया है और पहली अप्रैल से ये कीमतें लागू होंगी।

अभी तक जो भी स्टाक स्टाकिस्ट के पास था, उन्होंने सारे का सारा रोक लिया है और किसान को कोई भी यूरिया 21 तारीख की अनाउंसमेंट के बाद पुराने प्राइस पर नही मिलेगा। तुरन्त उन्हे इन्क्रीज लागू कर देना चाहिए था। तो इस बीच में जो लाखों-करोंड़ो रुपये उस स्टाक से कम्पनियां कमाएंगी, मंत्री जी उसे वापिस लेकर क्या किसानों को पहुचाने की कोशिश करेंगे?

श्री शीश राम ओला : माननीय उपसभापति महोदया, माननीय सद्स्य ने बड़ा अहम क्वेश्यन पूछा है। वह काफी सीनियर है और मंत्री भी रहे है, वह किसान भी है। मै उनसे यह निवेदन करना चाहूंगा कि यूरिया के भाव इतने सस्ते थे और जमीन का उर्वरक सतुलन इतना बिगड़ गया था कि सस्ता होने के नाते किसान यूरिया अधिक उपयोग करते थे जो उचित नही था। जमीन के सतुलन के बिगड़ने से उसकी उपजाऊ शक्ति नही रही जो खाद डालने पर हो सकती थी इसलिए यूरिया के 10 प्रतिशत दाम बढाने से हमको 710 करोड़ के लगभग बचत होगी, 10 प्रतिशत से। उसमें हमने एक अप्रैल से, सब्सिडी डी.ए.पी. पर जो 3000 रुपये प्रतिटन थी, उसके स्थान पर 3725 आयातित डी.ए.पी. पर 1500 थी, उसके स्थान पर 2250 पोटाश पर 1500 की जगह दो हजार और एस.एस.पी. पर 500 की जगह 600 एक अप्रैल से कर दिया है ताकि उसका पूर्ण लाभ हमारे किसानों को मिले।

श्री एस. एस. सुरजेवाला : मैडम मेरे दूसरे पार्ट का जवाब मंत्री ने दिया था कि जो स्टाक था, उस स्टाक का क्या बनेगा?

श्री शीश राम ओला : स्टाक के लिए ....

उपसभापति : मंत्री जी हो गया। क्वेश्यन न. 103।

Rise In the Prices of Major Agricultural Inputs

*103. SHRI IQBAL SINGH: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased lo state:

(a) the percentage of rise ir: the prices of major agricultural inputs during the years 1995-96 and 1996-97;

(b) the percentage of rise in the support price of major foodgrains during this period; and

(c) the percentage of rise in the production of these foodgrains during this period?

THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI CHATURANAN MISHRA): (a) to (c) A tatement is laid on the table of the house.

Statement

(a) to (c) Statement showing the annual percentage variations in the prices of major agricultural inputs as measured ny the wholesale price index numbers, the minimum support prices of foodgrains and the production of foodgrains during the years 1995-96 and 1996-97 are given at statement I, II and III respectively.

Statement-l

Percentage annual variation in the prices of major agricultural inputs during 1995-% and 1996-97 as measured by the wholesale Price Index Numbers (Base 1981-82=100)

Commodities	Weight (%)	1995-96	1996-97 (as on 8.2.1997)
Fertilizers	1.748	5.1	-0.8
Pesticides	0.202	-15.4	0.5
High Speed Diesel	2.164	0.0	14.8
Lubricants	0.453	9.6	3.6
Light Diesel Oil	0.203	-0.1	29.6
Electricity for Irrigation	0.317	0.0	13.8
Tractors	0.348	5.9	8.5
Power Driven Pumps	0.208	7.2	16.3
A verve	5.638	2 4	8.7